



गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में संगीत की भूमिका

¹ललित कुमार, शोध छात्र

²डॉ. पूनम कुमारी अग्रवाल, शोध निर्देशिका

¹विश्वविद्यालय, संगीत एव नाट्य विभाग, ल. ना. मि. वि. दरभंगा

²जे. एम. डी. पी. एल. महिला कालेज, मधुबनी

Lalitr03180@gmail.com

सार

शिक्षा समाज के विकास का माध्यम है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का महत्व न केवल एक व्यक्ति के व्यक्तिगत विकास में होता है, बल्कि पूरे समाज के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षा के बिना कोई समाज अपनी सामाजिक, आर्थिक, और तकनीकी सार्थक उन्नति नहीं कर सकता। यहां तक कि शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह एक व्यक्ति के चरित्र को भी निर्मित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मतलब होता है कि शिक्षा को विशेष मानकों और मानदंडों के साथ प्रदान किया जाए, ताकि छात्रों को सिखाया जा सके कि ज्ञान केवल पुस्तकों से ही नहीं आता है, बल्कि उनके व्यक्तिगत और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

मुख्य शब्द : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संगीत, समाज, विकास इत्यादि।

प्रस्तावना

संगीत, मानव सभ्यता का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसका मानव जीवन में गहरा संबंध है। संगीत की भूमिका सामाजिक, सांस्कृतिक, और व्यक्तिगत स्तर पर अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है। संगीत व्यक्ति के भावनाओं, विचारों, और आदर्शों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने का माध्यम होता है।



यह संवाद का माध्यम भी हो सकता है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने भावनाओं को दूसरों के साथ साझा कर सकता है। संगीत का आदिकाल से मानव सभ्यता के साथ चला आ रहा है और विभिन्न समयों और स्थानों पर विकसित होता रहा है, जिससे विविध संगीत परंपराएँ और गीत, संगीतकर्म बढ़ी हैं। संगीत का सामाजिक महत्व भी होता है, क्योंकि यह समुदायों और समाजों को एक साथ आने और जुड़ने का एक महत्वपूर्ण साधन हो सकता है। इसके अलावा, संगीत विभिन्न रागों, तालों, और आवाजों का खजाना होता है जो समृद्धि और आदर्श भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। संगीत का योगदान मानव जीवन को सुंदरता, भावना, और आनंद का अहसास कराता है और उसे भव्य और सामृद्ध बनाता है।

संगीत शिक्षा का महत्व

संगीत शिक्षा न केवल संगीत रचना और प्रदर्शन की कौशलता को बढ़ाती है, बल्कि इसका महत्व छात्रों के सामरिक विकास और आत्मा के साथी के रूप में भी होता है। संगीत के अद्वितीय भावनाओं को समझने और व्यक्त करने की क्षमता से छात्र अपने भावनाओं को साझा कर सकते हैं और समाज में साझा करने के लिए सहमति प्राप्त कर सकते हैं। संगीत शिक्षा के माध्यम से छात्रों को योग्यता, आत्मविश्वास, और सहयोग की भावना मिलती है, जिससे वे जीवन के हर क्षेत्र में सफल हो सकते हैं। संगीत का आदर करने वाले छात्र अधिक संवादात्मक होते हैं और अपने समुदाय में भागीदारी करने के लिए तैयार रहते हैं। इसलिए, संगीत शिक्षा का महत्व छात्रों के सामरिक विकास, सामाजिक संवाद, और व्यक्तिगत सफलता में बेहद महत्वपूर्ण होता है।

संगीत की भूमिका कई और महत्वपूर्ण पहलुओं को भी स्पष्ट करती है

- **आदिकाल से मौखिक धरोहर:** संगीत की भूमिका मानव सभ्यता के आदिकाल से जुड़ी हुई है और यह मौखिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आदिकाल से ही मानव जाति ने अपनी



भावनाओं, भाषा, और संस्कृति को संगीत के माध्यम से अभिव्यक्त किया है। इस धरोहर का अनुरूपण बड़ी समर्थन होता है, और गुरु-शिष्य परंपराएँ और लोक-कला संगठन इसे प्रतिस्थापित करते आए हैं। आदिकाल से ही लोगों ने विभिन्न आवाजों, तालों, और वाद्य उपकरणों का उपयोग करके संगीत बनाया है, जिससे समृद्धि, आत्मा की परम अद्वितीयता, और आदर्शों का प्रदर्शन किया जा सकता है। इस प्रकार, संगीत आदिकाल से मौखिक धरोहर का एक अत्यधिक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो मानव सभ्यता की गहरी रूप से पूज्य और संरक्षित है।

- **भाषा का माध्यम:** संगीत एक भाषा के रूप में कार्य करता है, जो भाषा को एक अद्वितीय और प्रभावी तरीके से अभिव्यक्त करने के लिए माध्यम प्रदान करता है। गीत, गायकों के द्वारा भाषा के माध्यम से भावनाओं, कविताओं, कहानियों, और संदेशों को सुनाने और साझा करने का महत्वपूर्ण रूप है। संगीत रागों, तालों, और मेलोडी के माध्यम से भी भाषा का उपयोग करता है, जिससे लोगों के बीच संवाद को सुधारा और समृद्ध किया जा सकता है। इस तरीके से, संगीत भाषा के माध्यम से विचारों, भावनाओं, और कहानियों को एक सुंदर और सार्थक तरीके से प्रकट करने का माध्यम होता है, जिससे भाषा का संवाद और सहयोग बढ़ता है।
- **आवाज की भावनाओं का अभिव्यक्ति:** संगीत आवाज की भावनाओं का अद्वितीय और प्रभावी तरीके से अभिव्यक्ति करने का महत्वपूर्ण माध्यम होता है। गायक और संगीतकार अपनी आवाज और संगीत के माध्यम से अपनी भावनाओं, भावनाओं, और विचारों को व्यक्त करते हैं, जिससे उनका दर्शकों तक संदेश पहुंचता है। संगीत के अलाप, सुर, ताल, और भावनाओं का खेल गायकों को अपनी भावनाओं को सुनने और समझने का अवसर देता है, जो व्यक्ति के मानसिक स्थिति, भावना, और विचारों को गहराई से प्रकट करता



है। यह न केवल गायक की भावनाओं को बयां करता है, बल्कि दर्शकों को भी उनके संगीत के माध्यम से भावनाओं को समझने और अपनाने का मौका प्रदान करता है। संगीत के इस अद्वितीय गुणवत्ता के कारण यह भावनाओं का एक सुंदर और सार्थक तरीके से अभिव्यक्ति करने का माध्यम बनता है।

- **मानव स्वास्थ्य के लिए:** संगीत का सुनना और बजाना मानव स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। यह तनाव को कम करने, मानसिक ताजगी प्रदान करने, और मनोबल को बढ़ावा देने में मदद करता है। संगीत का सुनना और बजाना रिलैक्सेशन को बढ़ावा देता है और तनाव को कम करता है, जिससे स्वास्थ्य सुधारता है। यह मानसिक समयचिंतन को बढ़ावा देता है, विचारशीलता को बढ़ावा देता है, और बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देता है, जिससे मानव स्वास्थ्य को सुधारने में मदद मिलती है। विशेषकर, संगीत के रूपों का उपयोग संवादना और ध्यान के अभ्यास के रूप में किया जा सकता है, जो मानव मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह मनोबल को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य को बनाए रखने, और जीवन का आनंद बढ़ाने में मदद कर सकता है, और लोगों को स्वस्थ और सुखमय जीवन जीने में मदद करता है।
- **कला और सांस्कृतिक विकास:** संगीत कला और सांस्कृतिक विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह समाजों के अध्ययन, साहित्य, और शिल्प के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संगीत कला के रूप में, यह लोगों को अद्वितीय और सुंदर अवसर प्रदान करता है जिसके माध्यम से वे अपने सांस्कृतिक और कलात्मक विकास को नूतनता और दर्शाना मिलता है। संगीत के माध्यम से, लोग विविध रूपों के संगीत का आनंद लेते हैं और विभिन्न संगीत प्रदान करने वाले समुदायों के साथ सम्मिलित होते हैं, जिससे सांस्कृतिक आपसी समझ और सहमति का अवसर मिलता है। संगीत कला की प्रशंसा सांस्कृतिक



उपास्यता को बढ़ावा देती है और लोगों को विविधता का मूल्य मानने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसके अलावा, संगीत समृद्धि और संस्कृति का माध्यम भी बनता है, जिससे समाजों के सदाचार और सांस्कृतिक मूल्यों का पालन किया जाता है। संगीतकार्य, गीत और नृत्य कार्यक्रम सामाजिक महत्वपूर्णता की भाषा में आयोजित होते हैं, जिससे लोगों को सांस्कृतिक समझ, और आपसी सम्बन्धों का महत्व समझने में मदद मिलती है। संगीत कला का यह दृष्टिकोण और सांस्कृतिक विकास लोगों के बीच विविधता और सामंजस्यपूर्ण जीवन को प्रमोट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- **शिक्षा के लिए उपयोग:** संगीत शिक्षा का महत्वपूर्ण और व्यापक रूप से शिक्षा के क्षेत्र में उपयोग होता है। यह विद्यार्थियों के विकास में मदद करता है, क्योंकि वे संगीत के माध्यम से कौशल विकसित करते हैं, मनोबल को बढ़ावा देते हैं, और ध्यान को सुधारते हैं। संगीत के अध्ययन से विद्यार्थी न केवल अपने कला कौशल को सुधारते हैं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में भी योगदान करते हैं। यह उन्हें सांस्कृतिक आपसी समझ को बढ़ावा देता है और सामाजिक साझा करने के एक माध्यम के रूप में कार्य करता है। विद्यालयों और स्कूलों में संगीत को विद्यालयी शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है, जिससे विद्यार्थियों को एक अत्यधिक और सर्वांगिण शिक्षा मिलती है, जिसमें कौशल विकसित करने के साथ-साथ सामाजिक और मानसिक विकास को भी मदद मिलती है। संगीत शिक्षा का महत्वपूर्ण और व्यापक रूप से शिक्षा के क्षेत्र में योगदान होता है। यह विद्यार्थियों को कला के प्रति रुचि और सामर्थ्य को विकसित करने में मदद करता है, जो उनके सीखने और समझने के कौशल को सुधारता है। संगीत के माध्यम से, वे न केवल रचनात्मकता का सहयोग करते हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी सुधारते हैं, ध्यान को बढ़ावा देते हैं, और सामाजिक संवाद कौशल को बढ़ावा देते हैं। विद्यालयों और स्कूलों में



संगीत को विद्यालयी शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाता है, जिससे छात्रों का सामाजिक और सांस्कृतिक विकास सुनिश्चित होता है और उनकी सीखने की क्षमता को बढ़ावा देता है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रमुख घटक:

- **शिक्षा के माध्यम से ज्ञान का प्रदान करना:** शिक्षा के माध्यम से ज्ञान का प्रदान करना शिक्षा के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में से एक है। इस प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों को विभिन्न विषयों में ज्ञान प्राप्त होता है और उनके विचारशीलता, विचार की क्षमता, और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है। यह उन्हें समस्याओं का समाधान करने की कौशल, स्वतंत्र विचार करने की क्षमता, और अनुसंधान कौशल का संवादन देता है, जिससे वे अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।
- **व्यक्तिगत विकास का समर्थन:** व्यक्तिगत विकास का समर्थन शिक्षा के एक महत्वपूर्ण पहलू को दर्शाता है। शिक्षा छात्रों के व्यक्तिगत और सामाजिक विकास को समर्थन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसमें उनकी भावनाओं, रुचियों, और प्रतिबद्धता के प्रति समर्पण शामिल होता है। शिक्षा छात्रों को स्वयं को पहचानने और अपनी विशेष योग्यताओं का पता लगाने का अवसर प्रदान करती है, जिससे उनका स्वाभाविक और व्यक्तिगत विकास होता है। इसके अलावा, यह छात्रों को समाज में जागरूक और सामाजिक जिम्मेदार नागरिक बनाने में भी मदद करती है, जो समृद्ध और समर्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **कौशल और उद्यमिता का विकास:** शिक्षा के माध्यम से कौशल और उद्यमिता का विकास छात्रों के व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह उन्हें विभिन्न



कौशल जैसे कि सहयोगिता, समस्या समाधान, और समर्पण की प्राप्ति करने में मदद करता है, जिससे वे अपने करियर के क्षेत्र में सफल हो सकते हैं। शिक्षा छात्रों को नये और अनूठे उद्यमों के प्रति भी प्रोत्साहित करती है और उन्हें अपने मानवसंसाधनों का सही तरीके से प्रयोग करने की क्षमता प्रदान करती है। इसके अलावा, यह उन्हें नौकरी के अवसरों में सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार करती है और उन्हें अपने उद्यमिता के साथ समृद्धि प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।

- **सामाजिक और नैतिक मूल्यों का समर्थन:** शिक्षा के माध्यम से सामाजिक और नैतिक मूल्यों का समर्थन छात्रों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह उन्हें सहानुभूति, समर्पण, और अच्छे नैतिक मूल्यों की प्राथमिकता की अवगति कराता है, जिससे वे समाज में सभी के साथ न्यायपूर्ण और सहयोगपूर्ण तरीके से व्यवहार कर सकते हैं। शिक्षा छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारी और समर्पण के प्रति सजग बनाती है, और उन्हें अच्छे नागरिक और संविदानिक दिक्षा देती है। इसके माध्यम से, शिक्षा छात्रों को समाज में सामंजस्यपूर्ण और सदय के मूल्यों के साथ बढ़ने के लिए तैयार करती है, जिससे समृद्ध और समर्थ समाज का निर्माण होता है।

संवाद और समझने की कौशल

संगीत शिक्षा संवादना और समझने की कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। संगीत के अध्ययन से, विद्यार्थी संगीत की रचना, ढंग, और भावनाओं को समझने का कौशल विकसित करते हैं। वे संगीत के अंतर्गत बाज़ रहे ध्वनियों, रागों, और तालों की समझ में माहिर होते हैं, जिससे उनकी सुनने की क्षमता में सुधार होती है। यह विद्यार्थियों को विभिन्न संगीतात्मक अभिवादन को समझने में मदद करता है, जैसे कि संगीत की रचना, भाषा, और भावनाओं के साथ



उसका मतलब। संगीत की ध्वनियों और रचनाओं को समझकर, विद्यार्थी संगीत को गहराई से अनुभव करते हैं और इसे अपने व्यक्तिगत जीवन में शांति और संतोष का स्रोत बनाते हैं। संगीत के अध्ययन से, विद्यार्थी भी एक दूसरे के साथ संगीत का आनंद लेते हैं और संगीत के माध्यम से अपने भावनाओं और विचारों को साझा करते हैं, जिससे सामाजिक सहयोग और समझदारी का अवसर मिलता है।

साहित्यिक और कला संबंध

संगीत शिक्षा का साहित्यिक और कला संबंध में महत्वपूर्ण योगदान होता है। संगीत और साहित्य का संबंध गाने के बोल, कविता, और कहानियों के माध्यम से तैयार हो सकता है, जिससे विद्यार्थियों की साहित्यिक कौशल में सुधार होती है। यह उन्हें भाषा के उपयोग के साथ-साथ रचनात्मकता और अभिव्यक्ति कौशल को भी सीखने का अवसर प्रदान करता है। कला संबंध में, संगीत एक कला रूप होता है जो रंगमंच, चित्रकला, और नृत्य कला के साथ जुड़ सकता है। संगीत और विजुअल आर्ट्स का मेल विद्यार्थियों को कला की अद्वितीय दुनिया में ले जाता है, जिससे उनकी संवादना क्षमता, रचनात्मकता, और सृजनात्मक विचारों का विकास होता है। इस तरीके से, संगीत शिक्षा विद्यार्थियों को साहित्यिक और कला संबंध में समझदार बनाती है और उन्हें विशेष रूप से कला के रूपों के प्रति रुचि पैदा करती है।

निष्कर्ष

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में संगीत की भूमिका का महत्वपूर्ण है और यह छात्रों के मानसिक, भाषाई, और शारीरिक विकास में सुधार करने में मदद करता है। संगीत के माध्यम से छात्रों को सांस्कृतिक संवाद, रसायन और तात्त्विक सृजनात्मकता का अधिक ज्ञान होता है। एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के



माध्यम से संगीत को एक महत्वपूर्ण शिक्षा विषय के रूप में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि छात्र संगीत के महत्व को समझें और इसका अध्ययन करें।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. शर्मा, आर० ए०, अध्यापक शिक्षा, आर० लाल बुक डिपो, मेरठ, 2016
2. पाण्डेय, के० पी०, अध्यापक शिक्षा, वाराणसी प्रकाशन, वाराणसी, 2017
3. शर्मा, प्रभा व नाटाणी, प्रकाश नारायण, शैक्षिक तकनीकी और कक्षा-कक्ष प्रबंधन, माया प्रकाशन मंदिर, जयपुर, 2006
4. सिंह, जे.डी. व अन्य, विद्यालय प्रबन्ध व शिक्षा की समस्याएं, रिसर्च पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2004
5. माननीय मंत्री उच्च शिक्षा का पत्र क्र० 2107 दिनांक 30 जून 2011
6. नवीन शैक्षणिक सत्र के आरम्भ में आयुक्त उच्च शिक्षा का अषास पत्र क्रमांक 150/सीएचई/पीए/2011 दिनांक 01 जुलाई 2011
7. शैक्षणिक सत्र 2011.12 हेतु गुणवत्ता दृष्टिपत्र आयुक्त का पत्र क्र० 623/61/2011 दि० 28 जुलाई 2011 विस्तृत दृष्टिपत्र दिनांक 28 जुलाई 2011